vinetur

# सर्दियों से पहले बैकअप बिजली सुरक्षित करने की दौड़ में यूक्रेन का Château Chizay

हंगरी के पास स्थित यह वाइनरी श्रम-घाटे के बीच अंगूर की कटाई शुरू कर चुकी है और यूक्रेन की ऊर्जा ग्रिड पर रूसी हमलों के फिर शुरू होने की आशंका से चिंतित है।

मंगलवार, 22 सितंबर 2026



पश्चिमी यूक्रेन की पहाड़ियों में, हंगरी सीमा के पास, Château Chizay के कर्मचारी अंगूर की फसल के शुरुआती दिनों में तेजी से काम कर रहे हैं, साथ ही युद्ध से जुड़ी ऊर्जा बाधाओं वाली एक और सर्दी की तैयारी भी कर रहे हैं।

ट्रांसकारपैथिया क्षेत्र में स्थित इस एस्टेट पर, विटीकल्चर निदेशक Guennadiy Vatchylia देर गर्मियों में दाख की कतारों के बीच घूमकर यह देखते हैं कि तोड़ाई शुरू होने से पहले फल किस तरह पक रहे हैं। यह काम साल के इस समय के लिए सामान्य है, लेकिन रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद उत्पादकों पर दबाव बढ़ गया है। कटाई के साथ-साथ, वाइनरी यूक्रेन की ऊर्जा प्रणाली पर रूसी हमलों को लेकर महीनों की चिंता के बाद सौर पैनल लगाने और अन्य बैकअप बिजली स्रोत सुरक्षित करने की कोशिश कर रही है।

एस्टेट के बड़े तहखानों के अंदर, शराब सैकड़ों ओक के पीपों और बड़े स्टील टैंकों में पक रही है। भंडारण और उत्पादन के लिए जरूरी ठंडा तापमान रेफ्रिजरेशन प्रणालियों पर निर्भर करता है, जो लंबे समय तक बंद नहीं रह सकतीं। पिछली सर्दी की ब्लैकआउट और भीषण ठंड के बाद, प्रबंधकों का कहना है कि ऊर्जा सुरक्षा अब खेत के काम जितनी ही महत्वपूर्ण हो गई है।

“हमें लगता है और आशा है कि वैकल्पिक बिजली स्रोतों की मदद से हम somehow इस सर्दी को पार कर लेंगे,” एस्टेट के निदेशक Dmytro Kholoudko ने कहा।

Château Chizay सालाना लगभग 1.3 मिलियन बोतलें बनाता है। इसकी वाइन मुख्य रूप से sauvignon, muscat और riesling हैं, लेकिन वाइनरी खास तौर पर furmint के लिए जानी जाती है, जो एक सफेद अंगूर है और अधिकतर पड़ोसी हंगरी से जुड़ा माना जाता है। यह क्षेत्र लंबे समय से सफेद वाइन के लिए अधिक जाना जाता रहा है, हालांकि उत्पादकों का कहना है कि हालात बदल रहे हैं।

Vatchylia ने कहा कि बढ़ते तापमान ने कटाई को लगातार आगे खिसकाया है, हर साल दो या तीन दिन पहले। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन ने यूक्रेन के उस हिस्से में लाल किस्मों के लिए भी ज्यादा जगह खोली है, जहां ऐतिहासिक रूप से सफेद वाइन का प्रभुत्व रहा है।

हालांकि मौसम बदल रहा है, लेकिन बड़ा दबाव युद्ध से आ रहा है। सशस्त्र बलों में सैकड़ों हजारों पुरुषों के सेवा में होने के कारण, यूक्रेन भर के दाखबागानों और वाइनरियों को पर्याप्त श्रमिक नहीं मिल रहे हैं। Kholoudko ने कहा कि एस्टेट को अपनी 270 हेक्टेयर में फैली लहरदार पहाड़ियों पर स्थित दाखबागानों से अंगूर हाथ से तोड़ने के लिए लगभग 110 मौसमी श्रमिकों की जरूरत है, लेकिन भर्ती मुश्किल हो गई है।

“हमने अभी सीजन शुरू ही किया है और हमें बहुत हाथों की जरूरत है, लेकिन उन्हें ढूंढना मुश्किल है,” उन्होंने कहा।

श्रम-घाटा नुकसान का सिर्फ एक हिस्सा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कुछ वाइनमेकर मोर्चे पर या हमलों में मारे गए हैं। कुछ दाखबागान नष्ट हो चुके हैं, जबकि कुछ अब रूसी बलों के कब्जे वाले इलाके में हैं। युद्ध ने भंडारण और वितरण को भी प्रभावित किया है।

कीव पर रूसी हमले में वाइन व्यापारी Okwine के एक गोदाम को नुकसान पहुंचा, जिससे कंपनी के अनुमान के मुताबिक $13.5 million का नुकसान हुआ। इस हमले ने उस कारोबार के सामने मौजूद व्यापक जोखिमों को रेखांकित किया, जो सिर्फ कृषि पर ही नहीं, बल्कि सुरक्षित परिवहन, बिजली, बोतलबंदी, गोदाम और उपभोक्ता मांग पर भी निर्भर है।

वैश्विक वाइन व्यापार में यूक्रेन अभी भी एक छोटा खिलाड़ी है। यूक्रेनी मीडिया में उद्धृत आंकड़ों के मुताबिक, देश सालाना लगभग $11 million की वाइन निर्यात करता है, मुख्यत: रोमानिया को, जबकि लगभग $200 million की वाइन आयात करता है। यह अंतर घरेलू उत्पादकों के सीमित पैमाने और विदेशों में पहचान बनाने की चुनौती, दोनों को दर्शाता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूक्रेन को अब भी व्यापक रूप से वाइन उत्पादक देश के रूप में नहीं देखा जाता। यही धारणा एक वजह है कि उत्पादक और विक्रेता कहते हैं कि वे युद्ध के बावजूद स्थानीय वाइन की प्रतिष्ठा बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

कीव में, वाइन बार के मालिक Serhiy Klimov ने सिर्फ यूक्रेनी बोतलें परोसने का फैसला किया है। उनका तर्क है कि देश का वाइन-निर्माण का लंबा इतिहास है और यहां उत्पादन के लिए परिस्थितियों की विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। उनके मुताबिक, दक्षिणी क्षेत्र अधिक पूर्ण-शरीर वाली रेड वाइन बना सकते हैं, जबकि ट्रांसकारपैथिया जैसे पश्चिमी क्षेत्र ताजा, खनिज-आधारित व्हाइट वाइन के लिए अधिक उपयुक्त हैं।

Klimov ने कहा कि सोवियत काल के बाद से देश का वाइन उद्योग बहुत बदल गया है, जब बड़े पैमाने का उत्पादन हावी

था और गुणवत्ता अक्सर खराब रहती थी। उन्होंने कहा कि अब यूक्रेन में छोटे और अधिक महत्वाकांक्षी दाखबागानों का जोरदार उभार दिख रहा है, जो मात्रा के बजाय गुणवत्ता के आधार पर प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश कर रहे हैं।

Château Chizay में, इस प्रयास में चखने के आयोजनों और निर्यात बाजारों में यूक्रेनी वाइन को विदेशी प्रतिस्पर्धियों के साथ रखना शामिल है। मुख्य वाइनमेकर Zoltan Udvarguely ने कहा कि लक्ष्य खरीदारों को यह दिखाना है कि यूक्रेनी वाइन आयातित बोतलों की गुणवत्ता के बराबर, और कभी-कभी उससे बेहतर, हो सकती है।

घरेलू बाजार भी युद्ध के दौरान बदल गया है। वाइनरी में, यूक्रेनी पर्यटकों के समूह गाइडेड चखने और दौरों के लिए आते रहते हैं। Kholoudko ने कहा कि उन्होंने अधिक उपभोक्ताओं को देशभक्ति, जिज्ञासा या गुणवत्ता की तलाश में स्थानीय उत्पाद चुनते देखा है। कई उत्पादकों के लिए, यह समर्थन उद्योग के सामने बाधित लॉजिस्टिक्स, बढ़ी हुई लागत और भविष्य की फसल को लेकर अनिश्चितता के बीच एक महत्वपूर्ण सहारा बन गया है।

युद्ध ने उन मील के पत्थरों पर भी अपनी छाप छोड़ी है, जिन्हें साधारण व्यावसायिक फैसले होना चाहिए था। Kholoudko ने याद किया कि एस्टेट ने अपनी पहली स्पार्कलिंग वाइन का उत्पादन 24 Feb. 2022 को शुरू करने की योजना बनाई थी, उसी दिन जब रूस ने पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया। कई दर्जन कर्मचारियों में से केवल 10 ही उस सुबह काम पर आए।

“लेकिन हम उठे, और उन 10 लोगों के साथ हमने स्पार्कलिंग वाइन बनाना शुरू किया,” उन्होंने कहा।